



BY POONAM SHA



UMMEED
CLASSES

पार्ट 3

समास

तत्पुरुष समास



www.ummeedclasses.com



WELCOME **UMMEED** **CLASSES**

**Like Video and Subscribe
our channel**

Join us:



9269100222



UMMEED CLASSES



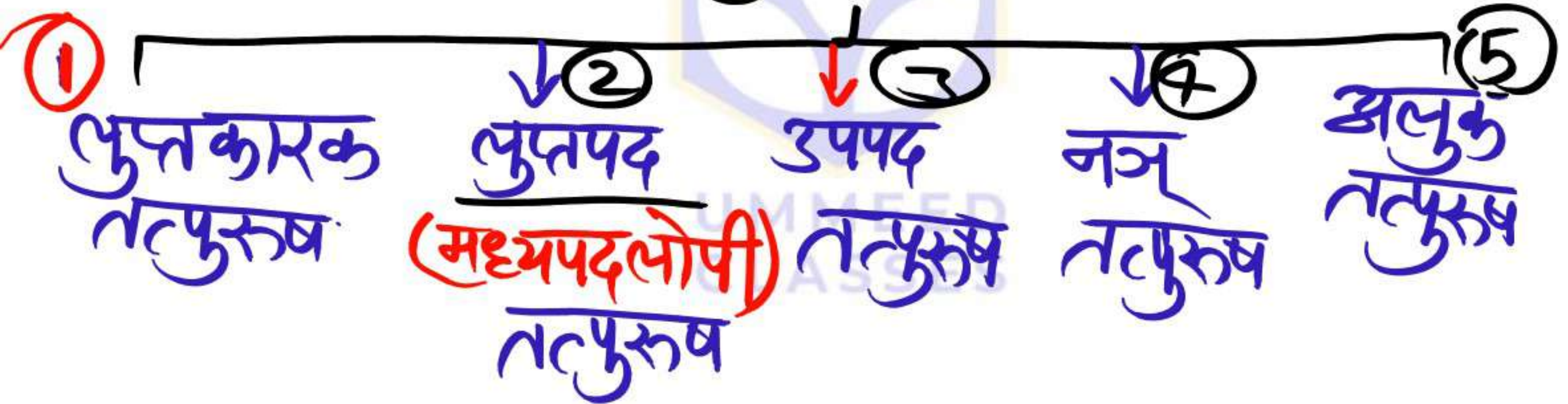
#Hinglish

By Poonam Ma'am

तत्पुरुष समास

* दूसरा पद → प्रधान

तत्पुरुष समास



1) लुप्त कारक तत्पुरुष :- जिसमें का चिह्नो का लोप हो जाता है।

| | कारक | कारक चिह्न |
|---|-----------|------------|
| 1 | कर्म | को |
| 2 | करण | से |
| 3 | सम्प्रदान | के लिए |
| 4 | अपादान | से |
| 5 | संबंध | का/के/की |
| 6 | अधिकरण | में, पर |

(i) कर्म कारक तत्पुरुष- 'को'

आ.:- शरणागत = शरण को आगत

करगत = कर को गत

कृष्णोर्पण = कृष्ण को अर्पण

मृत्युन्मुख = मृत्यु को उन्मुख

ii) करण तत्पुरुष समास :- से, के द्वारा

उदा:- रोगपीडित = रोग से पीडित
भयमुक्त = भय से मुक्त
हस्तलिखित = हस्त से लिखित
तुलसीकृत = तुलसी से कृत

* कृत - किया हुआ
* कृति - रचना
* कृती = रचनाकार

iii) संप्रदान तत्पुरुष समास → के लिए

उदा → विद्यालय = विद्या के लिए आलय

हवन-सामग्री = हवन के लिए सामग्री

चिड़ियाघर = चिड़िया के लिए घर

रसोईघर = रसोई के लिए घर

* पशुबलि = पशु की बलि
 * काकबलि = काक के लिए बलि
 * बलिपशु = पशु के लिए बलि

iv) अपादान तत्पुरुष समास :- 'से' (पृथक्)

उदा:- पत्रहीन = पत्र से हीन

पदच्युत = पद से च्युत *

द्वन्द्वातीत = द्वन्द्व से अतीत

रोगमुक्त = रोग से मुक्त

शक्तिहीन = शक्ति से हीन

जन्मांध = जन्म से अंधा

१) सम्बन्ध तत्पुरुष समास :- का, के, की

उदा → पशुबलि = पशु की बलि
नरबलि = नर की बलि
राजपुत्र = राजा का पुत्र
तुलसीमाता = तुलसी की माता
मंत्रिपरिषद् = मंत्रियों की परिषद्
ऋषिकन्या = ऋषि की कन्या

vii) अधिकरण तत्पुरुष समासः- में, पर

उदा → पदासीन = पद पर आसीन

मदान्ध = मद में अन्ध

जीवदया = जीवों पर दया

वनवास = वन में वास

2) लुप्तपद / मध्यपद लोपी तत्पुरुष :-

उदा० > रेलगाड़ी = रेल पर-चलनेवाली गाड़ी
(पटरी)

दही बड़ा = दही में डूबा हुआ बड़ा

बैलगाड़ी = बैल के द्वारा-चलनेवाली गाड़ी

पकौड़ी = पकी हुई बड़ी

मधुमक्खी = मधु को एकत्र करने वाली मक्खी

3. उपपद तत्पुरुष समास:-

उदा → थलचर → थल पर चलने वाला
स्वर्णकार → स्वर्ण का काम करने वाला
सर्वज्ञ → सब कुछ जानने वाला

4.) नञ् तत्पुरुष समासः— 'अं, अन्, अन्, ना'

- ① अयोग्य = योग्य नहीं
- ② अनचाहा = चाहा नहीं
- ③ अनजान = जाना नहीं
- ④ अन्याय = न न्याय
- ⑤ नालायक = लायक नहीं

5) अलुक् तत्पुरुष समास :-

उदा० → मृत्युञ्जय = मृत्यु को जय करने वाला

धनञ्जय = धन को जय करने वाला

वसुंधरा = वसुधा को धारण करने वाली

मनसिज = मन में उत्पन्न होने वाला।



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES

THANKING YOU

FOR

WATCHING

UMMEED CLASSES



9269100222



UMMEED CLASSES



UMMEED_CLASSESOOI

